

**BACHELOR'S DEGREE
PROGRAMME (BDP)
Term-End Examination
December, 2025
(Elective Course : Philosophy)
BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY—I**

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note : (i) Answer all the **five** questions.

(ii) All questions carry equal marks.

(iii) Answer to question nos. 1 and 2
should be in about **400** words each.

1. Explain the nature of ultimate reality according to Svetasvatara Upanishad. 20

Or

Discuss in detail the philosophical significance of three boons asked by Nachiketas in Katha Upanishad. 20

2. Give a detailed account of Jaina Metaphysics. 20

Or

Present a detailed account of 'waking', 'dreaming' and 'deep sleep' states of consciousness according to Māndukya Upanishad. 20

3. Answer any *two* of the following in about **200** words each :

(a) Explain the concept of 'Dependent Origination' of Buddhism. 10

(b) Discuss briefly the concept of soul/self in Carvaka Metaphysics. 10

(c) How does Māndukya Upanishad identify 'AUM' and 'Self' ? Explain. 10

(d) Explain the relation between 'Jiva' and 'Brahman' according to Mundaka Upanishad. 10

4. Answer any *four* of the following in about **150** words each :

(a) Discuss briefly the subject matter of Smiriti. 5

(b) Write a note on Eightfold path of Buddhism. 5

- (c) What is the significance of five great vows in Jaina Ethics ? 5
- (d) What is the way of knowing Brahman in Chandogya Upanishad ? 5
- (e) Differentiate between Para Vidya and Apra vidya. 5
- (f) What are the five kinds of knowledge according to Jaina epistemology ? Explain briefly. 5
5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :
- (a) Triratnas in Jaina ethics 4
- (b) Mind as sixth sense organ 4
- (c) Nishkamakarma 4
- (d) Concept of Rta 4
- (e) Tat tvam asi 4
- (f) Polytheism 4
- (g) Moral philosophy of Vidura 4
- (h) Shiksha portion of Vedānga 4

BPY-001

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र)

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन-I

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न क्रमांक 1 और 2 के उत्तर लगभग

400-400 शब्दों में दीजिए।

-
-
1. श्वेताश्वतर उपनिषद् के अनुसार परम सत् की प्रकृति की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

- कठ उपनिषद् में नचिकेता द्वारा माँगे गए तीन वरदानों के दार्शनिक महत्व की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 20

2. जैन तत्वमीमांसा का विस्तृत परिचय दीजिए। 20

अथवा

माण्डूक्य उपनिषद् के अनुसार चेतना की अवस्थाओं 'जाग्रत', 'स्वप्न' और 'सुषुप्ति' का विस्तृत उल्लेख कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में दीजिए :

(अ) बौद्ध धर्म के 'प्रतीत्यसमुत्पाद' की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 10

(ब) चर्वाक की तत्वमीमांसा में आत्मा की अवधारणा की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 10

(स) माण्डूक्य उपनिषद् 'ओम' और 'आत्म' के तादात्म्य को कैसे देखता है ? व्याख्या कीजिए। 10

(द) 'जीव' और 'ब्रह्म' के मध्य संबंध की मुण्डक उपनिषद् के अनुसार व्याख्या कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150-150 शब्दों में दीजिए :

(अ) स्मृतियों की विषय-वस्तु की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

- (ब) बौद्ध मत के अष्टांग मार्ग पर टिप्पणी लिखिए। 5
- (स) जैन नीतिशास्त्र में पंच महाव्रत का महत्व क्या है ? 5
- (द) छान्दोग्य उपनिषद् में ब्रह्म प्राप्ति का उपाय क्या है ? 5
- (य) परा और अपरा विद्या में भेद कीजिए। 5
- (र) जैन ज्ञानमीमांसा के अनुसार ज्ञान के पाँच प्रकार क्या हैं ? संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5
5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
- (अ) जैन नीतिशास्त्र में त्रिरत्न 4
- (ब) मन छठी इन्द्रिय के रूप में 4
- (स) निष्काम कर्म 4
- (द) ऋत् की अवधारणा 4
- (य) तत् त्वम् असि 4
- (र) बहुदेववाद 4
- (ल) विदुर का नीति-दर्शन 4
- (व) वेदांग का शिक्षा खण्ड 4

× × × × ×